झूठ ,कपट ,पाप को जीवन से निकालें : राजयोगिनी दादी रत्नमोहिनी जी

आबू पर्वत,**ज्ञानसरोवर,** २३ मई २०१५। आज ज्ञानसरोवर के हार्मनी हॉल में ब्रह्माकुमारीज एवं इसकी भगिनी संस्था आर ई आर एफ के वैज्ञानिक एवं अभियंता प्रभाग के तत्वावधान में एक अखिल भारतीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस सम्मेलन में देश भर के कोने कोने से सैकड़ों प्रतिनिधियों ने भाग लिया। सम्मेलन एवं चिंतन शिविर का विषय था : संतुलित जीवन, सुंदर जीवन। सम्मेलन का उद्घाटन दीप प्रज्वलित करके संपन्न हुआ।

संस्थान की अतिरिक्त मुख्य प्रशासिक **राजयोगिनी दादी रत्नमोहिनी** जी ने इस सम्मेलन को अपना आर्शीवचन दिया। उन्होंने कहा कि आज आप सभी को यहाँ देखकर मुझे काफी खुशी है। क्या आप जानते हैं कि हम सभी एक पिता परमात्मा की ही संतान हैं। आप जानते तो हैं , आपने ऐसा स्वीकार किया , ठीक है। मगर क्या आप ऐसा मानते भी हैं ? नहीं मानते , तो मानिये। आज धर्मग्लानि के अवसर पर परमात्मा शिव अपने वायदेनुसार आये हैं, भारत में , और हम सभी को दिव्य गुण संपन्न बना रहे हैं। झूठ ,कपट ,पाप आदि बुरी बातों को अपने जीवन से निकाल कर हमें दैवी गुण धारण करना है और फिर से एकबार अपना जीवन श्रेष्ठ बनाना है। इस कार्य में परमात्मा पिता हमारा साथ दे रहे हैं।

वैज्ञानिक एवं अभियंता प्रभाग की अध्यक्ष **राजयोगिनी सरला दीदी** जी ने सम्मेलन की अध्यक्षाता की और संकल्पों के माध्यम से सबका आभार प्रकट किया।

केंद्रीय फिल्म सेंसर बोर्ड के अध्यक्ष **पहलाज निहलानी** ने इस सम्मेलन को अपनी शुभकामनाएं दीं । उक्त अवसर पर आपने कहा कि ब्रह्माकुमारीज बहनें न सिर्फ मन की बुराइयों से ही हमें छुटकारा दिलाती हैं बल्कि तन की मजबूती को लेकर भी ये सक्रिय रहती हैं। १९३७ से लेकर आज तक ये बहने अपने मिशन को लेकर पूरी दुनियाँ में जा रही हैं। बाघ जैसा एक पशु भी जब प्रशिक्षित किया जाता है तो उसका जीवन भी शांत हो जाता है तो मनुष्यों के बारे में क्या कहा जाए? राजयोग के अभ्यास से मन प्राण की पवित्रता एवं शांति संभव है।

राजयोगिनी **कुंती दीदी** ने अपनी शुभकामनाएं दीं और कहा कि स्वच्छ प्रकृतिःस्वच्छ राष्ट्र नामक यह अभियान काफी सुंदर है और इसको हर हाल में पूरा किया जाना चाहिये।

वैज्ञानिक एवं अभियंता प्रभाग के राष्ट्रीय समन्वयक राजयोगी **मोहन सिंघल** जी ने उक्त अवसर पर इस सम्मेलन के लक्ष्य के बारे में बताया। आपने कहा कि दिल एवं दिमाग के बीच संतुलन नहीं रख पाने के कारण ही हमारे जीवन का सौंदर्य कम हो जाता है। जीवन का सौंदर्य बनाये रखने के लिये हम सभी को अपने मानसिक,सामाजिक,भौतिक, पेशा जनित एवं भावनात्मक गतिविधियों के बीच एक संतुलन बनाये रखने की विधि जाननी होगी। इन तीन दिनों में आप सभी यहाँ इसका गहराई से ज्ञान प्राप्त कर पाएंगे।

वैज्ञानिक एवं अभियंता प्रभाग के क्षेत्रीय समन्वयक स्काव. लीडर (सेवानिवृत) **जवाहर मेहता** ने सम्मेलन को अपनी शुभकामनाएं दीं। आपने कहा कि ब्रह्माकमारीज संसार की सर्वोत्तम आई टी संस्थान है। इनके द्वारा जो सूचनाएं दुनिया

को प्रदान की जा रही हैं , वह अन्यत्र कहीं से भी नहीं दी जा रही हैं। यहाँ के ईश्वरीय ज्ञान के द्वारा ही जीवन संतुलित और सुंदर बनेगा, इसका विश्वास मेरे साथ साथ इस संस्थान से संयुक्त लाखों लोगों का भी है।

स्वच्छ प्रकृति , स्वच्छ राष्ट्र नामक एक अभियान के शुभारंभ की भी घोषणा आज की गई।, इस अभियान के बारे में वैज्ञानिक एवं अभियंता प्रभाग के कार्यकारी सदस्य **अरूण साहू** ने बताया कि हमें इस अभियान को प्रारंभ करने की प्रेरणा भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के स्वच्छ भारत अभियान से प्राप्त हुई है। यह एक जागरूकता अभियान है। इसके माध्यम से जन जन को बताया जाएगा कि हमारी आंतरिक प्रकृति से ही हमारी बाह्य प्रकृति प्रभावित होती है। आंतरिक प्रकृति का सुधार कर हम बाह्य प्रकृति की संभाल कर सकते हैं। उक्त अवसर पर एक वेव साइट का शुभारंभ हुआ, जिसका शुभारंभ पहलाज निहलानी (केंद्रीय फिल्म सेंसर बोर्ड के अध्यक्ष) जी के कर कमलों से संपन्न हुआ।

वैज्ञानिक एवं अभियंता प्रभाग के कार्यकारी सदस्य ब्र.कु.**पीयूष** भाई ने कुछ महानुभावों द्वारा प्रेषित संदेश पढ़कर सुनाया।

वैज्ञानिक एवं अभियंता प्रभाग के क्षेत्रीय समन्वयक ब्र.कु.**भारत भूषण** ने आये हुए अतिथियों के प्रति आभार प्रदर्शन किया। ब्र.कु.माधुरी बहन ने आज के कार्यक्रम का संचालन किया। (रपट : बी के गिरीश, ज्ञानसरोवर)